उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद

कक्षा 10 – हिन्दी (वार्षिक परीक्षा)

(SET – 2) – पूर्ण उत्तरमाला

खण्ड – क (बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर)

1. दुर
2. तत्पुरुष
3. विष
4. अत्यंत प्रिय होना
5. शुद्ध
6. वर्तमानकाल
7. चय
8. अनुप्रास
9. कर्मठ
10. गुरुओं
11. मैथिलीशरण गुप्त
12. मुंशी प्रेमचंद
13. दोहा
14. विसर्ग संधि
15. कर्मधारय

खण्ड – ख (अपठित गद्यांश के उत्तर)

विद्यार्थी के लिए आवश्यक बातें

विद्यार्थी के लिए समय का महत्व समझना, परिश्रम करना तथा अनुशासन का पालन करना आवश्यक बताया गया है।

सफलता की कुंजी

समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।

आलस्य का अर्थ

आलस्य को मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु कहा गया है क्योंकि यह व्यक्ति को लक्ष्य से दूर कर देता है।

उपयुक्त शीर्षक

“समय का महत्व और विद्यार्थी जीवन”

खण्ड – ग (अपठित पद्यांश के उत्तर)

कविता का भावार्थ

कविता में बताया गया है कि जो व्यक्ति मेहनत के मार्ग पर चलता है और साहस के साथ आगे बढ़ता है, वही अपनी मंज़िल प्राप्त करता है। कठिनाइयाँ उसी से डरती हैं जो हिम्मत नहीं हारता।

कवि का संदेश

कवि का संदेश है कि जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम और साहस आवश्यक हैं। जो कठिनाइयों से नहीं डरता, वही विजय प्राप्त करता है।

दो अलंकार

1. अनुप्रास अलंकार (मेहनत, मंज़िल आदि ध्वनियों की पुनरावृत्ति)
2. अतिशयोक्ति अलंकार (बाधाएँ उससे डरती हैं)

खण्ड – घ (व्याकरण)

संधि-विच्छेद

विद्यालय = विद्या + आलय
देवालय = देव + आलय
आत्मविश्वास = आत्म + विश्वास

समास-विग्रह

जलपान = जल का पान

राजपुत्र = राजा का पुत्र

मातृभूमि = माता के समान भूमि

मुहावरे (अर्थ व वाक्य)

नाक कटना – अपमान होना

→ प्रतियोगिता में हारने से उसकी नाक कट गई।

हाथ मलना – पछताना

→ समय न पढ़ने के कारण वह परीक्षा में हाथ मलता रह गया।

दाँत खट्टे करना – परास्त करना

→ सैनिकों ने शत्रुओं के दाँत खट्टे कर दिए।

वाक्य शुद्धि

वह स्कूल जाती रही।

मुझे दो किताबें चाहिए।

वे कल आएंगे।

उपसर्ग / प्रत्यय

अविश्वास = अ + विश्वास

सज्जनता = सज्जन + ता

निस्वार्थ = निस् + स्वार्थ

खण्ड – ङ (दीर्घ उत्तरीय उत्तर)

गद्य पाठ का सारांश

गद्य पाठ में समय के महत्व, अनुशासन और परिश्रम की आवश्यकता को स्पष्ट किया गया है। लेखक के अनुसार विद्यार्थी जीवन में समय का सदुपयोग ही सफलता का आधार है। आलस्य मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है, जबकि परिश्रम और अनुशासन व्यक्ति को ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं।

कविता का भावार्थ

कविता में परिश्रम और साहस की महत्ता को दर्शाया गया है। जो व्यक्ति कठिनाइयों से नहीं घबराता और निरंतर प्रयास करता है, वही अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। बाधाएँ उसी के सामने टिकती हैं जो कमजोर पड़ जाता है।

चरित्र-चित्रण (हामिद)

हामिद एक गरीब लेकिन समझदार और संवेदनशील बालक है। वह अपनी दादी से अत्यंत प्रेम करता है। मेले में खिलौनों की जगह चिमटा खरीदकर वह अपनी त्याग की भावना और परिपक्वता का परिचय देता है। उसकी सोच उसकी उम्र से अधिक परिपक्व है।

लेखक/कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व (मैथिलीशरण गुप्त)

मैथिलीशरण गुप्त हिंदी साहित्य के प्रमुख राष्ट्रीय कवि थे। उनकी रचनाओं में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना की भावना प्रमुख है। उनकी प्रसिद्ध कृति 'भारत-भारती' है। वे सरल भाषा और ओजस्वी शैली के लिए प्रसिद्ध हैं।

खण्ड – च (रचनात्मक लेखन)

प्रार्थना-पत्र

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय, ...

विषय: अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मुझे पारिवारिक कारणों से दो दिन का अवकाश चाहिए। अतः कृपया दिनांक ... से ... तक अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीय

नाम ...

कक्षा 10

निबंध – विद्यार्थी जीवन का महत्व

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसी समय में व्यक्ति अपने चरित्र, ज्ञान और भविष्य की नींव रखता है। विद्यार्थी को अनुशासन, परिश्रम और समय का सदुपयोग करना चाहिए। यही गुण उसे सफल नागरिक बनाते हैं। विद्यार्थी जीवन में सीखी गई आदतें जीवनभर साथ रहती हैं। इसलिए विद्यार्थी जीवन को गंभीरता और लगन से जीना चाहिए।